

ज्वालामुखी = ज्वाला + मुख

परिभाषा - पृथ्वी के भीतरी भाग से जो दहकते हुए पदार्थ जिस मार्ग विशेष से निकलते हैं उसे ज्वालामुखी कहते हैं। उससे बनने वाली प्राकृति या पहाड़ को ज्वालामुखी शंकु कहते हैं।

ज्वालामुखी उद्गार के कारण:

- 1) भूगर्भ में तापमान का बढ़ना
- 2) गैसों व जलवाष्प की उपस्थिति
- 3) लावा एवं उद्गार

ज्वालामुखी से निकलने वाले पदार्थ:

गैसीय पदार्थ: जलवाष्प, CO_2 , CO , SO_2 , HCl , NH_3 , धुँआँ आदि।

ठोस पदार्थ: धूल, राख, शिलाखण्ड - सिण्डर, ब्रेक्सिया, लैप्ली, वगैरे आदि।

द्रव पदार्थ: आधिकारिक शिलिका युक्त गाढ़ा लावा, कम शिलिका युक्त पतला लावा।

ज्वालामुखी के प्रकार

★ क्रियाशीलता के अनुसार

1. Active volcano - जिसमें समय-समय पर उद्गार होते रहता है जैसे - हवाई द्वीप का मोनालोआ, मोनाकी, भूमध्यसागर का स्ट्राम्बोली ज्वालामुखी आदि।
2. Dormant volcano - जिसमें सदियों से उद्गार नहीं हुआ है किन्तु निम्न भविष्य में उद्गार की सम्भानना है जैसे - विसुवियस एवं कानाराओ आदि।
3. Extinct volcano - जिसमें उद्गार के प्रमाण अब नहीं मिलते जैसे देवन्द ईतन।

★ केन्द्रीय उद्गार के आधार पर

- | | | | | |
|--------------------|-------------------|--------------------|-----------------------|---------------|
| 1. पीलियन तुल्य | 2. विसुवियस तुल्य | 3. बल्केनियन तुल्य | 4. स्ट्राम्बोली तुल्य | 5. हवाई तुल्य |
| ↓ | ↓ | ↓ | ↓ | ↓ |
| अति-विस्फोट उद्गार | द्वि-सक उद्गार | अधक विस्फोट | मध्यम विस्फोट | शांत उद्गार |

स्थलाकृतियाँ

बाह्य व आकृतियाँ

1. ज्वालामुखी शंकु - ज्वालामुखी उद्गार से निष्पन्न पदार्थों के जमाव से बनती है।
 - a) Acid lava cone
 - b) Basic lava cone
 - c) Composite lava cone
 - d) Cinder cone
 - e) Paracile cone
 - f) Some shaped cone
2. क्रेटर/Crater - ज्वालामुखी शंकु के उपरी/शीर्ष भाग पर धंसाव से अथवा विस्फोट से उपरी भाग में कड़ा गड्ढा बन जाता है जिसे क्रेटर कहते हैं।
 - Nested Crater - क्रेटर के अंदर पुनः विस्फोट हुए क्रेटर का बनना
 - Crater lake - शांत ज्वालामुखी के मुँह में जब वर्षा का जल भर जाता है।
3. Caldera - जब ज्वालामुखी का उपरी भाग अधक विस्फोट से उड़ जाए तो वहाँ निशाल क्रेटर बनता है जिसे काल्डेरा या कड़ाह कहते हैं।
आस : 6-10 km ex - केन्या का किलीमंजारो, जापान का अशो आदि।

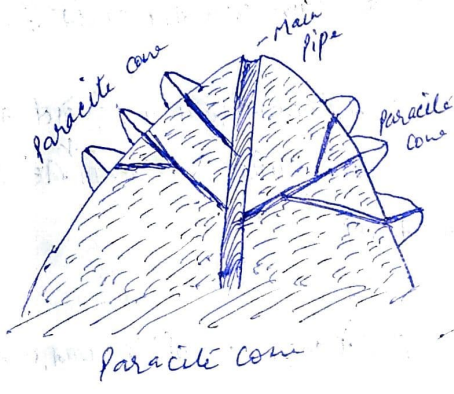
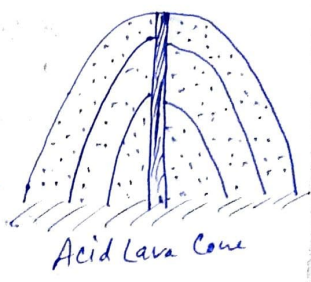
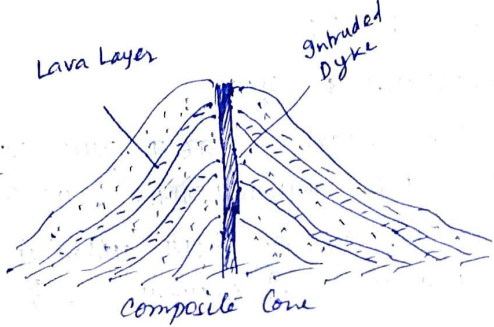
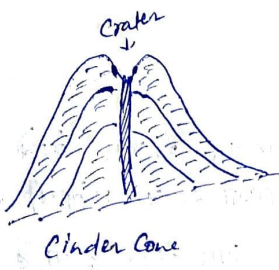
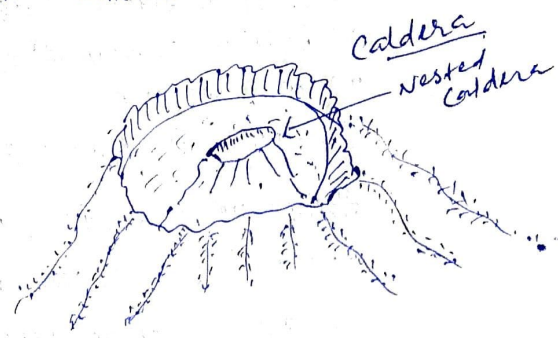
4. Volcanic Plug: इसमें जब ज्वालामुखी मार्ग में लावा ढण्डा होकर जम जाता है और छोटे-छोटे कठोर आकृति बन जाती है।

5. Lava Plateau: जब लावा दरारों से निकलकर बड़े क्षेत्र में फैल जाता है।

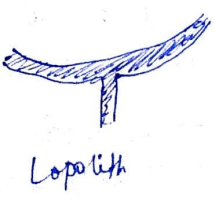
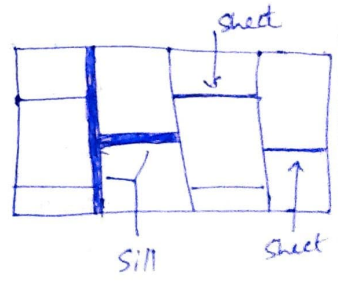
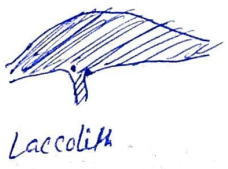
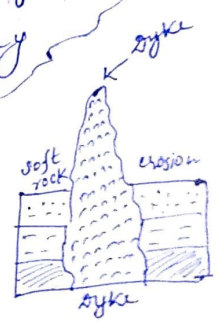
आंतरिक भूआकृतियाँ

ज्वालामुखी अगार के समय मैग्मा, जलवाष्प तथा गैस की शक्ति धरने या कम होने से धरातल के अंदर भूगर्भ की लावा दरारों में ही भा जाता है और धीरे-धीरे ढण्डा होकर निम्न आकृतियाँ बनाता है-

- i) Batholith
- ii) Laccolith
- iii) Phacolith
- iv) Lopolith
- v) Sill and sheet
- vi) Dyke



Volcanic Landforms OR Topography



[Handwritten signature]